ICFAI University holds Principals Conclave on Enhancing Learning Effectiveness thru Technology – Feb 20, 2020

the pioneer
RANCHI | THURSDAY | FEBRUARY 20, 2020

PRINCIPALS' CONCLAVE AT ICFAI

A Conclave on 'Enhancing Learning Effectiveness thru Technology' was organised by ICFAI University, Jharkhand, wherein over 125 Principals and Heads of Departments from various Schools and Colleges of Jharkhand participated. Prof O R S Rao, Vice-Chancellor of the ICFAI University chaired the conclave. Welcoming the participants to the Conclave, Sumit Rathaur, Chief Manager, ICFAI Group Information Department said, "The objective of the conclave is to discuss the opportunities and challenges faced for deployment of Technology in Teaching and Learning so that Learning Effectiveness is improved".

Morning India
www.sanmarglive.com
12 Ranchi, Thursday
20 February 2020

ICFAI University organises Principals' Conclave on Enhancing Learning Effectiveness through Technology

MI NEWS SERVICE

RANCHI: A Conclave on "Enhancing Learning Effectiveness thru Technology" was organised by ICFAI University, Jharkhand on Wednesday, wherein over 125 Principals and Heads of Departments from various of Schools and Colleges of Jharkhand participated.

Prof O R S Rao, Vice-Chancellor of the ICFAI University chaired the conclave.

Welcoming the participants to the Conclave, Sumit Rathaur, Chief Manager, ICFAI Group Information Department said, "The objective of the conclave is to discuss the opportunities and challenges faced for deployment of Technology in Teaching and Learning so that Learning Effectiveness is improved".

Making the opening remarks, Prof O R S Rao highlighted the paradigm shift in the profile of the current generation students, said "Millennial students are tech savvy, as they are used to Technology from the time of their birth. So, Teachers need to deploy technology to make the classes more interesting and maximise learning of the students, by catering to multiple senses of a human being".

Dr. T. K. Gupta, Principal, LA Garden School agreed and said "Students like learning through technology, as they enjoy the same".

Dr. Durga Lal Sharma, Principal, Sanjay Gandhi Memorial College, said that Technology can make a great impact on learning of the students. Dr. Shamshun Nehar, Principal, Suraj Singh Memorial College, underlined the need for choosing appropriate technology as per the profiles of the students and should allow Technology to Master our life.

Dr. Tanweer Ahmed, Director, M.M.K. High School said "Before deploying the technology in teaching, teachers should be trained on how to prepare for taking Technology-enabled Sessions".

Dr. M.K. Gupta, Principal, Jharkhand Government MSEME Toll Room highlighted the need for imparting hands-on skills and also character development so that students are employable after their studies.

Dr. Manoj Kumar, Principal, Ram Lakhan Yadav College and Dr. Vinod Prasad, Principal, J. N. College explained the infrastructural constraints being faced by the Educational Institutions to impart quality education. Dr. Rashmi Sinha, Principal Guru Govind Singh Public School underlined that Technology cannot replace a Teacher, who has to play the critical role of facilitator for learning by the students.

Concluding the discussions, Prof O R S Rao, explained how Appropriate Technologies are being used at ICFAI University to impart knowledge and skills to the students so that they are successful in their Professional Life.

He also highlighted the efforts of the University in moulding the character of the students so that they are happy in their life.

Ms. Deepika and Ms. Shalini from ICFAI compered the event. Prof Arvind Kumar, Registrar of the University proposed a vote of thanks.

खबर मंत्र
रांची, गुरुवार 20 फ़रवरी 2020

कक्षाओं को रोचक बनाने के लिए प्रौद्योगिकी को जरिया बनायें

इक्फाई विश्वविद्यालय में कॉन्क्लेव का आयोजन

खबर मंत्र संवाददाता

रांची। इकफई विवि झारखंड द्वारा प्रौद्योगिकी के माध्यम से सीखने की प्रभावशीलता बढ़ाने पर एक कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। इक्फाई विवि के कुलपति प्रो ओ आर एस राव ने कहा कि कॉन्क्लेव का उद्देश्य टीचिंग एंड लर्निंग में प्रोद्योगिकी की प्रयोग में आने वाले अवसरों और चुनौतियों पर चर्चा करना है ताकि लर्निंग इफेक्टिवनेस बेहतर हो। उन्होंने छात्रों की सोच में बदलाव पर प्रकाश डाला और कहा कि इस सहस्राब्दी के छात्र तकनीक प्रेमी हैं क्योंकि-वे अपने जन्म के समय से प्रौद्योगिकी के अभ्यस्त हैं। इसलिए शिक्षकों को चाहिए कि कक्षाओं को अधिक रोचक बनाने और छात्रों के अथिकतम सीखने के लिए प्रोद्योगिकी का प्रयोग करें। मौके पर एल ए गार्डेन स्कूल केप्राचार्य डॉ टी के गुप्ता, रामलखन सिंह यादव कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ मनोज कुमार, सुमित राठौर, जेएन कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ विनोद प्रसाद ने शैक्षणिक संस्थानों द्वारा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए किए जा रहे बुनियादी ढांचों को समझाया। गुरु गोविंद सिंह पब्लिक स्कूल की प्रिंसिपल डॉ रश्मि सिन्हा ने प्रोद्योगिकी को एक शिक्षक के रूप में रेखांकित किया।

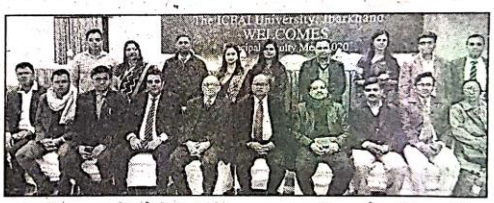

रांची एक्सप्रेस
रांची, गुरुवार, 20 फरवरी, 2020

इकफाई विश्वविद्यालय में प्रधानाचार्य कॉन्क्लेव का आयोजन

स्कूलों-कॉलेजों के 125 से अधिक प्राचार्यों-विभागाध्यक्षों ने भाग लिया

संवाददाता

रांची : इकफाई विश्वविद्यालय, झारखंड द्वारा 'प्रौद्योगिकी के माध्यम से सीखने की प्रभावशीलता बढ़ाने' पर एक कॉन्क्लेव आयोजित किया गया, जिसमें झारखंड के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के 125 से अधिक प्राचार्यों और विभागाध्यक्षों ने भाग लिया। इकफाई विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओ आर एस राव ने सम्मेलन की अध्यक्षता की। कॉन्क्लेव में प्रतिभागियों का स्वागत करते हुएए इकफाई समूह, सूचना विभाग के मुख्य प्रबंधक, सुमित राठौर ने कहा कि कॉन्क्लेव का उद्देश्य टीचिंग एंड लर्निंग में प्रौद्योगिकी की प्रयोग मे आने वाले अवसरों और चुनौतियों पर चर्चा करना है ताकि लर्निंग इफेक्टिवनेस बेहतर हो। प्रारंभिक टिप्पणी करते हुए प्रोफेसर ओआरएस राव ने वर्तमान पीढ़ी के छात्रों के सोच में बदलाव पर प्रकाश डाला और कहा कि इस सहस्त्राब्दी के छात्र तकनीक प्रेमी हैं, क्योंकि वे अपने जन्म के समय से प्रौद्योगिकी के अभ्यस्त हैं। इसलिए शिक्षकों को कक्षाओं को अधिक रोचक बनाने और छात्रों के अधिकतम सीखने के लिए प्रौद्योगिकी की प्रयोग करने की आवश्यकता है।

एलए गार्डन स्कूल के प्राचार्य डॉ टी के गुप्ता ने इस पर सहमति व्यक्त की और कहा कि छात्रों को प्रौद्योगिकी के माध्यम से सीखना पसंद है, क्योंकि वे उसी का आनंद लेते हैं। संजय गांधी मेमोरियल कॉलेज के प्राचार्य डॉ. दुर्गा लाल शर्मा ने कहा कि प्रौद्योगिकी छात्रों के सीखने पर बहुत प्रभाव डाल सकती है। डॉ. शमसुन नाहर, प्रिंसिपल, सूरज सिंह मेमोरियल कॉलेज ने छात्रों के प्रोफाइल के अनुसार उपयुक्त तकनीक चुनने की आवश्यकता को रेखांकित किया और कहा कि प्रौद्योगिकी को हमारे जीवन में मास्टर बनने की अनुमति देनी चाहिए। डॉ. तनवीर अहमद, निदेशक एमएमके हाई स्कूल ने कहा शिक्षण में प्रौद्योगिकी को तैनात करने से पहले, शिक्षकों को प्रशिक्षित किया जाना चाहिए ताकि वे प्रौद्योगिकी सक्षम सत्र ले सके। डॉ. एमके गुप्ता, प्रिंसिपल, 'झारखंड सरकारए एमएसएमई टूल रूम ने कौशल प्रदान करने की आवश्यकता पर प्रकाश डाला ताकि छात्रों को उनकी पढ़ाई के बाद रोजगार मिल सके।

दैनिक भास्कर
रांची, गुरुवार 20 फरवरी, 2020

CITY ACTIVITY

प्रौद्योगिकी के प्रयोग में आने वाले अवसरों व चुनौतियों पर हुई चर्चा

इकफाई विश्वविद्यालय में कॉन्क्लेव का आयोजन

सिटी रिपोर्टर. रांची

000 इकफाई विश्वविद्यालय, झारखंड द्वारा प्रौद्योगिकी के माध्यम से सीखने की प्रभावशीलता बढ़ाने पर कॉन्क्लेव का आयोजन किया गया। इसमें झारखंड के विभिन्न स्कूलों और कॉलेजों के 125 से अधिक प्रिंसिपल और विभागाध्यक्षों ने भाग लिया। इक्फाई विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो ओआरएस राव ने सम्मेलन की अध्यक्षता की। इक्फाई ग्रुप, सूचना विभाग के मुख्य प्रबंधक सुमित राठौर ने कहा कॉन्क्लेव का उद्देश्य टीचिंग एंड लर्निंग में प्रौद्योगिकी के प्रयोग में आने वाले अवसरों और चुनौतियों पर चर्चा करना है, ताकि लर्निंग इफेक्टिवनेस बेहतर हो। प्रो ओआरएस राव ने वर्तमान पीढ़ी के स्टूडेंट्स के सोच में बदलाव पर प्रकाश डाला और कहा की इस सहस्त्राब्दी के छात्र तकनीक प्रेमी हैं। क्योंकि, वे अपने जन्म के समय से प्रौद्योगिकी के अभ्यस्त हैं। इसलिए टीचर्स को क्लासों को अधिक रोचक बनाने और स्टूडेंट्स के अधिकतम सीखने के लिए प्रौद्योगिकी की प्रयोग करने की आवश्यकता है। वही

एलए गार्डन स्कूल के प्रिंसिपल डॉ. टीके गुप्ता ने कहा कि स्टूडेंट्स को प्रौद्योगिकी के माध्यम से सीखना पसंद है, क्योंकि वे उसी का आनंद लेते हैं।

संजय गांधी मेमोरियल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. दुर्गा लाल शर्मा ने कहा कि प्रौद्योगिकी स्टूडेंट्स के सीखने पर बहुत प्रभाव डाल सकती है। डॉ. शमसुन नाहर प्रिंसिपल सूरज सिंह मेमोरियल कॉलेज ने छात्रों के प्रोफाइल के अनुसार उपयुक्त तकनीक चुनने की आवश्यकता को रेखांकित किया और कहा कि प्रौद्योगिकी को हमारे जीवन में मास्टर बनने की अनुमति देनी चाहिए। साथ ही अन्य स्कूल के प्रिंसिपल ने अपनी बातों को रखा। प्रो ओआरएस राव ने चर्चाओं का समापन करते हुए बताया कि कैसे आईसीएफएआई विश्वविद्यालय में स्टूडेंट्स को ज्ञान और कौशल प्रदान करने के लिए उपयुक्त तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है, ताकि वे अपने व्यावसायिक जीवन में सफल हों।

उन्होंने स्टूडेंट्स के चरित्र को ढालने में विश्वविद्यालय के प्रयासों पर भी प्रकाश डाला, ताकि वे अपने जीवन में खुशहाल रहें। इक्फाई की दीपिका और शालिनी ने इस कार्यक्रम का संचालन किया। विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो अरविंद कुमार ने धन्यवाद प्रस्ताव रखा।